



बिहार गजट

असाधारण अंक

बिहार सरकार द्वारा प्रकाशित

13 वैशाख 1935 (श0)
(सं0 पटना 334) पटना, शुक्रवार, 3 मई 2013

सं0 एम-4-20/2013—4332/वि0(2)

वित्त विभाग

संकल्प

2 मई 2013

विषय:-बिहार कोषागार संहिता, 2011 के नियम-198 में प्रावधानित नियम के संबंध में ।

बिहार कोषागार संहिता, 2011 के नियम-198 में वर्णित प्रावधान के अनुसार ए०सी० विपत्रों के विरुद्ध सामंजस हेतु डी०सी० विपत्र कोषागार में प्रस्तुत किया जायेगा जहाँ से CTMIS में पारित करते हुए महालेखाकार को प्रेषित किया जाता है । यह प्रावधान 01.10.2011 से लागू है । उक्त नियम के क्रम में निर्गत वित्त विभागीय पत्रांक 11049 दिनांक 12.10.2012 द्वारा CTMIS में डी०सी० विपत्र पारित करने की प्रक्रिया निर्धारित की गई है । कोषागार के माध्यम से डी०सी० विपत्र समर्पित करने के क्रम में कुछ व्यावहारिक कठिनाईयाँ आ रही है । इस प्रक्रिया से डी०सी० विपत्र समर्पित करने एवं सामंजित होने में समय लग रहा है । 30.09.2011 तक ए०सी० विपत्रों पर निकासी की गयी अग्रिम राशि का डी०सी० विपत्र सीधे महालेखाकार को समर्पित किया जाता है । परिवहन भवन में डी०सी० विपत्र संग्रहण केन्द्र बनाया गया है जहाँ डी०सी० विपत्रों को समर्पित करने, जाँच करने तथा सामंजित करने की विशेष व्यवस्था की गयी ।

इसलिए 01.10.2011 से 31.12.2012 तक की ए०सी० विपत्र पर निकासी की गयी अग्रिम राशि के विरुद्ध डी०सी० विपत्र सीधे महालेखाकार कार्यालय में समर्पित करने की व्यवस्था की जानी आवश्यक है ।

अतः बिहार कोषागार संहिता, 2011 के नियम-380 के तहत प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए 01.10.2011 से 31.12.2012 तक के ए०सी० विपत्रों के विरुद्ध डी०सी० विपत्र सीधे महालेखाकार कार्यालय में भी समर्पित किया जा सकता है । डी.डी.ओ. सुविधानुसार कोषागार या महालेखाकार कार्यालय में डी०सी० विपत्र जमा कर सकते हैं ।

सीधे महालेखाकार को समर्पित एवं सामंजित डी०सी० विपत्र की सूचना डी.डी.ओ. द्वारा कोषागार पदाधिकारी को अवश्य दी जायेगी ताकि CTMIS से लंबित ए०सी० विपत्र की स्थिति को हटाया जा सके ।

आदेश :-आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को बिहार राजपत्र के असाधारण अंक में प्रकाशित किया जाय ।

बिहार-राज्यपाल के आदेश से,
संजीव हंस,
सचिव (व्यय)।

अधीक्षक, सचिवालय मुद्रणालय,
बिहार, पटना द्वारा प्रकाशित एवं मुद्रित।
बिहार गजट (असाधारण) 334-571+10-डी०टी०पी०।
Website: <http://egazette.bih.nic.in>